समर्पण समारोह : 300 युवा बहनों ने परमात्मा शिव को किया समर्पित

बहनों ने लिया आजीवन सेवा का संकल्प

शिव आमंत्रण ■ शांतिवन

ब्रह्माकुमारी संस्था के शांतिवन परिसर में तीन सौ बहनें संस्थान के लिए समर्पित हो गई। इस मौके पर उनके माता-पिता और नाते रिश्तेदार भी मौजूद थे। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि यह जीवन कई जन्मों से उत्तम है। जिसके जीवन में स्वयं परमात्मा का वास हो जाता है वह हमेशा के लिए बुराइयों से मुक्त हो जाता है।

दीप प्रज्ज्वलन कर समर्पण समारोह का शुभारंभ करतीं दादी रतनमोहिनी, बीके मुन्नी, बीके सरला, बीके भारती व साथ में समर्पित बहनें।

जीवन में धारण करें उच्च आदर्श

कार्यक्रम प्रबंधिका मुन्नी बहन ने युवा बहनों से आह्वान किया कि वे जीवन में उच्च आदर्श, मूल्यों को धारण कर महान बने और दूसरों के लिए प्रेरणादायी बनें। इस मौके पर संस्था के महासचिव बीके निर्वेर ने कहा, कि हमारी बहनों ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि नारी चाहे तो वह विश्व को बदल सकती है। कुरीति और बुराईयों को समाप्त कर सकती है। ये बहनें खुद का सकारात्मक बदलाव करते हुए समाज को बदलने में कामयाब होगी। संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बृजमोहन, शांतिवन प्रबंधक भूपाल, अमीरचंद समेत कई लोगों ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के बीच समर्पण के दौरान समर्पित होने वाली बहनों को अपने लक्ष्य और अपने श्रेष्ठ कर्म के लिए उनसे प्रतिज्ञा कराई जाती है, जिससे की वे अपने लक्ष्य में कामयाब हो सके। समाज को कुछ दें सकें इसलिए किया समर्पण।

समाज में कुछ करने की तमन्ना ने दिया जीवन को समर्पित करने की शक्ति

मै बनारस से आयी हूँ मेरा ये जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर रही हूँ। इससे बडी और कोई सेवा नही है। इस संस्था मे सत् परमात्मा आकर के सत्य् गीता ज्ञान दे रहे है। परमात्मा के ज्ञान के आधार पर की जानेवाली सेवा सबसे श्रेष्ठ है यह मैने जान लिया है ।

- बीके आशा, बनारस

मैंने आज अपना जीवन पूरी तरह से ईश्वर को समर्पित कर दिया । मैं अपने जीवन को प्रेरणादायक बनाना चहती हूँ। लोकिक में जब कोई शादी करता है तो एक घर को ही रोशन करता है पर मुझे तो परमात्मा से शादी करके अनेक घरों को रोशन करने का मोका मिला है। अपने आप को बहुत ही खुशनसीब महसूस कर रही हूँ।

- बी.के आरनिका, दिल्ली

जब से बाबा का ज्ञान मिला तब से ही उसको अपना पति मान लिया था। टीवी में जब भी शिव पार्वती का विवाह देखती तो मन ही मन में सोचती थी कभी मैं भी ऐसे ही शिव को वरूगीं। आज यह सपना पूरा हो गया, मैं शिव की पार्वती बन गयी हूं, जिसका शास्त्रों में गायन है।

- बी.के कृति, कोल्हापुर महाराष्ट्र

मै बचपन से ही ईश्वरीय ज्ञान मे हूँ मैने लौकिक मे एमबीए किया है। बचपन से ही मुझे सादा जीवन, त्यागी तपस्वी जीवन बहुत पंसद है। मानव का जीवन पवित्रता से भरपूर हो तो सच्चा सुख मिलता है। तो मेरा यही लक्ष्य है कि अपनी पवित्रता एवं तपस्वी जीवन से हम विश्व का परिवर्तन करें। मै सभी युवाओं का आह्वान करती हूँ -

बीके रुचिका, फरीदाबाद, हरियाणा

सब लोग तो भगवान से मदद मांगते हैं मगर जब पता चला की भगवान मुझसे विश्व परिवर्तन के कार्य में मदद मांग रहे हैं तो उसी क्षण मैंने अपना पूरा जीवन प्रभु को समर्पण कर दिया था। बस तभी से ही इस दिन का इंतजार था, आज वो इंतजार खत्म हुआ। मानो लग रहा है कि आज मुझे सारे जहान की खुशी मिल गई। **- बी.के नीलम,** जयपुर राजस्थान

यह है समर्पण

ब्रह्माकुमारी संस्था के संपर्क में आने के बाद कम से कम पांच साल तक प्रशिक्षु के तौर पर राजयोग मेडिटेशन के साथ संस्था के नियमों पर संपूर्ण रूप से चलने वाली बहनों का समर्पण होता है। जिसमें उनके माता पिता की भी सहमति होती है। समर्पण के बाद ये बहनें संस्थान के देशभर मे फैले सेवा केंद्रो पर चली जाती है। उनकी संपूर्ण जिम्मेदारी संस्था की होती हैं।

ओम शांति चैनल ने लोगों में बढ़ाई पैठ

बीके हरीलाल

ओम शांति चैनल ने लोगों में बनायी पैठ हर किसी के पास तक पहुंच बनाने के लिए गॉडलीवुड द्वारा शुरू किया गया ओम शांति चैनल गॉडलीवुड लगातार लोगों का लोकप्रिय बनता जा रहा है। क्योंकि आजकल डिजीटल और इंटरनेट का जमाना है। ऐसे में हर किसी के पास सहज ही पहुंचा जा सकता है क्योंकि हर किसी के हाथ में मोबाईल और डिजीटल संसाधन है। ओम शांति चैनल में हर प्रकार के कन्टेन्ट उपलब्ध है। जिससे हर कोई भी अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने में उपयोग कर सके। ओम शांति चैनल अपने कन्टेंट और प्रजेन्टेशन के जरिये लगातार अपनी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। गॉडलीवुड स्टूडियो का यह प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक परमात्मा शिव के अवतरण का संदेश पहुंचे तथा लोग अपना भाग्य बना सकें। इसका लिंक है

www.omshantichannelgodlywood

चिकित्सक हैं भगवान के फरिश्ते : डॉ. शुभदा नील

शिव आमंत्रण, बिलासपुर। ''कहते हैं डॉक्टर इज़ नेक्स्ट टू गॉड। लेकिन उसमें भी गाइनेकोलॉजिस्ट तो भगवान के द्वारा भेजे गए फरिश्ते की तरह हैं जो एक बच्चे में सु-संस्कार, अच्छा स्वास्थ्य, खुशनुमा जीवन और श्रेष्ठ बुद्धि देने के लिए माता को सही दिशा-निर्देश दे सकती हैं। इसके लिए स्वयं के मन का सशक्त होना बहुत जरूरी है। जब स्वयं सशक्त होंगे तब ही हम दूसरों को सशक्त बना सकेंगे। चिकित्सक गर्भवती माताओं को तीन प्रकार के आयामों- संतुलित, सात्विक तथा पोषक आहार, शारीरिक व्यायाम एवं योगासन एवं तनावमुक्त जीवन के लिए राजयोग मेडिटेशन को जीवन में धारण करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इसका मुख्य प्रभाव यह होगा कि सिज़ेरियन रेट कम होगा, माता की डिलीवरी नॉर्मल होगी तथा होने वाला बच्चा स्वस्थ और संस्कारित होगा। उक्त बातें हॉटल ईस्ट पाकिजा में गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर्स के लिए आयोजित साइंटिफिक सेशन को ''बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में गायनेकोलॉजिस्ट्स की भूमिका'' विषय पर संबोधित करते हुए डिवाइन संस्कार रिसर्च फाउण्डेशन की को-ऑर्डिनेटर डॉ. शुभदा नील ने कही। आपने कहा कि यह जरूरी नहीं कि एक स्वस्थ व्यक्ति सदा खुश रहे लेकिन ये निश्चित है कि सदा खुश रहने वाला सदा स्वस्थ जरूर रहेगा। इसलिए गर्भवती माताओं को शांति की टेक्नीक सिखाना बेहद जरूरी है क्योंकि जब मां का मन शांत होगा, खुश होगा तो इससे बच्चे में वह संस्कार स्वत: जायेगा। और इसी श्रेष्ठ संस्कार से श्रेष्ठ संसार का निर्माण संभव हो सकेगा। इतिहास में अभिमन्यु, शिवाजी, गांधीजी जैसे महापुरूष गर्भसंस्कार के साक्षात् उदाहरण हैं। इस अवसर पर दिल्ली से पधारीं इन्फर्टिलिटी एक्स्पर्ट डॉ. शिवानी सचदेव गौर ने ''रोल ऑफ माइक्रोन्यूट्रिऐन्ट्स इन मैनेजमेन्ट ऑफ इन्फर्टिलिटी'' विषय पर सभी को संबोधित किया और महिलाओं में बांझपन दूर करने के लिए हुए नए-नए रिसर्चों से डॉक्टरों को अवगत कराया।

कार्यक्रम के अंत में ब्रह्माकुमारीज़ टिकरापारा सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके मंजु ने सभी को संस्था की ओर से ईश्वरीय सौगात भेंट की और मेडिटेशन सिखाने की सेवा देने को आश्वस्त किया।

इस अवसर पर बिलासपुर ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी की अध्यक्षा डॉ. संगीता जोगी, सचिव-डॉ. कविता बब्बर सहित शहर की मुख्य गायनेकोलॉजिस्ट चिकित्सक उपस्थित थे।

मथुरा, यूपी

अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद हेमा मालिनी को राखी बांधती हुई बीके कुसुम बहन।

सीतापुर, युपी

जिला कारागार में कैदियों को राखी बांधने के पश्चात जेल अधीक्षक दिनेश चन्द मिश्रा, ब्रह्माकुमरी सितापुर सेन्टर प्रभारी बीके योगेश्वरी एवं अन्य ।

मुंबई

फिल्म अभिनेता अनुपम खेर, फिल्म निर्माता सुभाष घई सहित कई सिने अभिनेताओं को मलाड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुंती ने राखी बांधी।

मुम्बई

बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक शान को बोरीवली की बीके दिव्या ने माउंट आबू आने का निमंत्रण देते हुए रक्षा सूत्र बांधा।

सुलतानपुर, युपी

कारागार में कैदियों को राखी बांधने के पश्चात जेल अधिक्षक अमित के साथ ग्रुप फोटो में बीके आशा, बीके शिवकान्त द्विवेदी, बीके जेपी पांडेया एवं अन्य।

छतरपुर, मप्र

छतरपुर जिला कलेक्टर को रक्षा सूत्र बांधते हुए ब्रह्माकुमारी छतरपुर की संचालिका बीके शैलजा तथा साथ में अन्य बहनें।